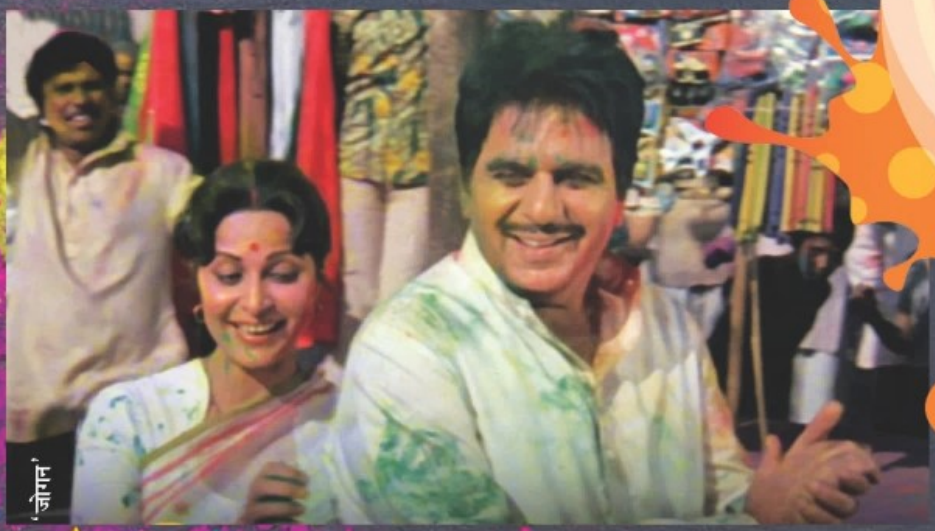

'जोगन'

यूं तो हिंदी फिल्मों में होली गीतों की एक लम्बी सूची है लेकिन यहां हम कुछ ऐसे गीतों की चर्चा करेंगे जो सदाबहार का दर्जा हासिल कर चुके हैं और आज भी बड़े चाव से सुने जाते हैं। इन गीतों की चर्चा करते समय ना तो हम हिंदी फिल्मों के इतिहास की बात कर रहे हैं और न ही संगीत के कालखंड के विस्तार में जा रहे हैं, यहां सिर्फ कुछ चर्चित होली गीतों का जिक्र भर किया जा रहा है। सबसे पहले बात करते हैं फिल्मकार महबूब खान की बनाई फिल्म 'औरत' की जो बाद में 'मदर इंडिया' शीर्षक से पुन: बनी। 1940 की फिल्म 'औरत' में संगीतकार अनिल बिस्वास और गीतकार सफ़दर आह के रचे दो होली गीत सुनने को मिलते हैं, 'जमुना तट पर श्याम खेले होली' (अरुण आहूजा, सरदार अख्तर) और 'आज होली खेलेंगे साजन के संग' (अनिल बिस्वास)। अनिल बिस्वास के संगीत में रचित एक होली गीत 'होली खेले नन्दलाल बिरज में' फिल्म 'राही' (1953) में था जिसे इरा मजूमदार ने गाया।

नंदलाला के होली खेलने को लेकर हिंदी फिल्मों में कई गीत रचे गए हैं, ऐसा ही एक गीत फिल्म 'माशूका' (1953) में भी था जिसे लिखा था शैलेन्द्र ने और रोशन के संगीत निर्देशन में इसे मुकेश और सुरैया ने गाया था। यहां लगे हाथ 1963 की फिल्म 'गोदान' के 'होली खेलत नन्दलाल बिरज में' का भी जिक्र कर लेते हैं जिसका संगीत प्रसिद्ध सितारवादक पंडित रविशंकर ने रचा और इसे आवाज दी मोहम्मद रफी ने। इससे मिलता-जुलता एक गीत 1970 की फिल्म 'मस्ताना' में भी 'हो, नंदलाला होली खेले बिरज में धूम मची है' था जिसे लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने संगीतबद्ध किया और रफी, मुकेश और आशा भोसले ने मिलकर गाया।

शैलेन्द्र की कलम से निकला एक होली गीत 'होली आई प्यारी प्यारी भर पिचकारी रंग दे चुनरिया हमारी' फिल्म 'पूजा' (1954) में भी था जिसका संगीत शंकर जयकिशन ने रचा और इसे लता मंगेशकर और मौहम्मद रफी ने गाया। 1950

'मदर इंडिया'

'कोहिनूर'

में प्रदर्शित दिलीप कुमार, नर्गिस की मुख्य भूमिका से सजी फिल्म 'जोगन' (1950) में बुलो सी रानी का संगीतबद्ध 'डारो रे रंग डारो रे रसिया, फागुन के दिन आयो रे' गीता दत्त ने गाया है। दिलीप कुमार अभिनीत कई फिल्मों में होली गीत आए हैं, ऐसा ही एक गीत उनकी फिल्म 'आन' में भी था जो 1953 में प्रदर्शित हुई थी। इसमें नौशाद और शकील बदायूनी की जोड़ी ने शमशाद बेगम और लता मंगेशकर की आवाज में एक बड़ा ही प्यारा होली गीत 'खेलो रंग हमारे संग आज दिन रंग रंगीला आया' कम्पोज किया। होली के इन सदाबहार गीतों में सर्वाधिक सुरीला और रसीला गीत है महबूब खान की फिल्म 'मदर इंडिया' (1958) का 'होली आई रे कन्हाई रंग बरसे सुना दे जरा बांसुरी' जिसमें एक बार फिर नौशाद और शकील बदायूनी की जोड़ी थी और इसे गाया था शमशाद बेगम ने, यह गीत आज भी सबसे ज्यादा सुना जाता है।

इसी जोड़ी का एक अन्य सुरीला गीत दिलीप कुमार अभिनीत फिल्म 'कोहिनूर' (1960) में 'तन रंग लो जी आज मन रंग लो' सुनने को मिलता है जिसे लता मंगेशकर और मौहम्मद रफी